

Text Scan Input Form - Title Page

TBRC Volume Number	3874
TBRC Work Number (W)	6457
Title	ཁལ་ཁ་བྲག་རི་དམ་ཚིག་རྟེན་འགྲུལ་འབྲུག་ gsung 'bum / dam tshig rdo rje Author བྲག་རི་དམ་ཚིག་རྟེན་ dam tshig rdo rje grags pa dpal Descriptor reproduced from an often unclear set of the blocks from mongolia; only copy known to exist Original Publication Place [lan kru'u] Publisher [nub byang mi rigs slob grwa chen mo] Date [2000?] Total Volumes 21 Current Volume (of Total) 7 Number of TBRC Introductory Pages 2 Number of Introductory Pages Number of Text Pages 926 TBRC Scanning Information scanned at the tibetan buddhist resource center, 115 5th ave., 7th floor, new york city, ny 10003 2004

Surrogate Cataloging Record

Khal kha dam tshig rdo rje'i gsung 'bum

Control Number: W6457

Type of Material: Book (Print, Microform, Electronic, etc.)

Personal Name: Dam tshig rdo rje Brag-ri, 1781-1855

Main Title: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum.

Edition Information: Reproduced from an unclear set of prints from the Urga blocks

Published/Created: [Lan kru'u : Nub byang mi rigs slob grwa chen mo]

Related Titles: Khal kha Dam tshig rdo rje'i gsung 'bum bzhugs so

Description: 21 v.

Notes: In Tibetan

LC Classification: BQ7550 +

Geog. Area Code: a-cc-ti n-cc-im

CALL NUMBER: BQ7550



ॐ॥

। कर्मणु सुश्रुतं गीतं यत् ।

ईश्वरं कृतं प्रीत्यैव मया योगसाधनं ।

। यथायोगं कृतं कर्मणु सुश्रुतं ।

कृतं यत् ।

। त्रिपदायुक्तं यत् ।

। यथायोगं कृतं यत् ।

। यथायोगं कृतं यत् ।

। यथायोगं कृतं यत् ।

। यथायोगं कृतं यत् ।

। यथायोगं कृतं यत् ।

। यथायोगं कृतं यत् ।

। यथायोगं कृतं यत् ।

। यथायोगं कृतं यत् ।

। यथायोगं कृतं यत् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

59

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृत-
 भाष्ये श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रद्धाध्यायः समाप्तः ॥



ཀྱིས་ཕར་ལོང་ན། །ཞེས་ཆོས་ཁུངས་བརྒྱུད་པའི་བརྒྱུད་ལ་རྟག་པོ་ཡོད་པར་རྟག་པོ་ཞེས་པ་ཉམས་པ་ལྟར་ཤིང་། རྟག་པོ་ཞེས་པ་ཉམས་པ་ལྟར་ཤིང་། རྟག་པོ་ཞེས་པ་ཉམས་པ་ལྟར་ཤིང་།

[illegible][illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय । द्रुपद उवाच ।
 सौम्य ! त्वया प्रदीप्तं हृदि मे व्यसिद्धं विलक्षणं
 चित्रं दृष्ट्वा प्राप्नुतु मया यथाशक्नुमः प्रभु ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1031. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 8

[illegible]

[illegible]

28 岁

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

214
214

[illegible]

[illegible]

[illegible]

26
 27
 28

105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाश्रयः ॥
 भक्त्या भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ तदा भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ २ ॥
 भक्त्या भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ तदा भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ ३ ॥
 भक्त्या भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ तदा भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ ४ ॥
 भक्त्या भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ तदा भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ ५ ॥
 भक्त्या भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ तदा भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ ६ ॥
 भक्त्या भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ तदा भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ ७ ॥
 भक्त्या भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ तदा भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ ८ ॥
 भक्त्या भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ तदा भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ ९ ॥
 भक्त्या भगवत्पदं ध्यायेत् ॥ तदा भगवत्पदं प्राप्नुयान् ॥ १० ॥

[illegible]

21 (4)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



बालेसुन्दरविरचिता

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of the handwritten script from the previous block.]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

21
22
23

21
22
23

150 | 151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

2022

[illegible]

[illegible]

W. L. D. Jr.

[illegible]

19

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

（榮
美
堂）

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten notes in the left margin, possibly indicating a page or section number.

Vertical text on the left side of the main block, likely a column header or index.

Main body of handwritten text in Devanagari script, organized into several horizontal lines. The text appears to be a list or a series of entries, possibly related to a historical or administrative document.

ཡུལ་འཛུགས་པར་ཀུན་ལ་མཁུ་སྤྱོད་པའི་

ཐུན་ཆེད་དཀའ་ཤིང་གསལ་བཤད་དང་

சுயநிர்வாகம்

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

आमस्युपदस्यरेणमुदनेकससुच्य

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

निम्नलिखित कथन पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

निष्पत्त्युक्तं किं नृपतपसा नृपस्य

॥ अथाब्रह्मवदकमुत्तरेणैव प्रवक्ष्यामि ॥

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥

॥ अथ यद्वाचस्पतिः ॥

[illegible]

1977-1978

འབྲུག་ཡུལ་གྱི་ལྷ་ས་

॥ अङ्क १ ॥

འགྲོ་བུ་སྐྱེད་པའི་རྒྱུ་

पुनर्वसन

[illegible][illegible]

Handwritten notes in the left margin, possibly indicating page numbers or section markers.

| | | |
|---|---|---|
| ॐ | ॐ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय | ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय |
| ॐ | | |
| ॐ | | |
| ॐ | | |
| ॐ | | |

白页

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in the left margin, possibly a reference or title.

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

Handwritten text in the right margin, possibly a reference or title.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

107

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast.]

১৯৭৬-৭৭ খ্রিঃ

291

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of the handwritten script from the previous page.)

[illegible]

(The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.)

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

150

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

195

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये षष्ठः स्कन्धः ।

[illegible]

12

[illegible]

[illegible]

[illegible]

151
152

657



(=) विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रे कर्तव्यं । अथ विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥

999

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]



一

[illegible]

[illegible]

404

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

9. பெரியகரையிலுள்ள கிணறுகள்

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

लुप्तोपयग। एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्। त्रिष्वङ्गस्य परस्परसंयोगे मन्त्रार्थप्रतीतिः॥ पूर्वपरस्तथासु च देवपरे वा भद्रादौ।
 ईगर्भे पदे सः प्रीतिरूपस्यैव। हुं देवलेखनं। नेगस्य च यत्तत्त्वम्। पुनरप्यर्थान्तरं कृत्वा देवता। त्रिसुष्ट्या उपदेशे व्याख्यातम्। एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्।
 पदे सारत्र न तु एवमप्यत्र वृत्त्यर्थम्। विष्णवे च हस्तं पदे सारत्रैव। अक्षयुक्तं पदे सुगुणकम्। एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्। इमे देवतायाश्च विभिन्नानामप्यत्र। एवमप्यत्र पदे
 एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्। हुं देवलेखनं। नेगस्य च यत्तत्त्वम्। पुनरप्यर्थान्तरं कृत्वा देवता। त्रिसुष्ट्या उपदेशे व्याख्यातम्। एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्।
 एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्। हुं देवलेखनं। नेगस्य च यत्तत्त्वम्। पुनरप्यर्थान्तरं कृत्वा देवता। त्रिसुष्ट्या उपदेशे व्याख्यातम्। एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्।
 एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्। हुं देवलेखनं। नेगस्य च यत्तत्त्वम्। पुनरप्यर्थान्तरं कृत्वा देवता। त्रिसुष्ट्या उपदेशे व्याख्यातम्। एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्।
 एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्। हुं देवलेखनं। नेगस्य च यत्तत्त्वम्। पुनरप्यर्थान्तरं कृत्वा देवता। त्रिसुष्ट्या उपदेशे व्याख्यातम्। एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्।
 एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्। हुं देवलेखनं। नेगस्य च यत्तत्त्वम्। पुनरप्यर्थान्तरं कृत्वा देवता। त्रिसुष्ट्या उपदेशे व्याख्यातम्। एवमप्यत्र पदे अर्द्धे वा पाये वा रे सुगुणकम्।

सुगन्धिः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of Sanskrit script.)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ।

[illegible]

Es

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कुपयेति सुखेन गतः । स्वयं च विदुषां तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति ।
 यथावदिति । स्वयं च विदुषां तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति ।
 यथावदिति । स्वयं च विदुषां तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति ।
 यथावदिति । स्वयं च विदुषां तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति ।
 यथावदिति । स्वयं च विदुषां तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति ।
 यथावदिति । स्वयं च विदुषां तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति ।
 यथावदिति । स्वयं च विदुषां तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति । एवमेव च तेषां यथावदिति ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a single paragraph of handwritten text.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

▲

2017

44-38861-25

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

34

42

5

[illegible]

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥ तून्मामांस्तस्मांस्तथा गच्छ मधुसूदन ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. On the left margin, there are vertical annotations or a running header. The handwriting is cursive and characteristic of historical Indian manuscripts.]

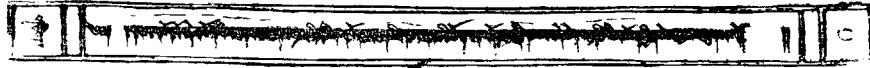
[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

白页



[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense block of handwritten or printed script.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit text found in the other blocks.]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage to the original document.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये षष्ठः स्कन्धः ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिशिष्य मया । पाण्डवस्यैव त्वमेकं वक्तव्यमात्मनोरुदा । ॥ २ ॥
 त्वं हि ज्ञास्यस्व मे परमसूयया । तत्र त्वां शङ्केत्यहं प्रवृत्तमिमम् ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिशिष्य मया । पाण्डवस्यैव त्वमेकं वक्तव्यमात्मनोरुदा । ॥ ५ ॥
 त्वं हि ज्ञास्यस्व मे परमसूयया । तत्र त्वां शङ्केत्यहं प्रवृत्तमिमम् ॥ ६ ॥
 द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिशिष्य मया । पाण्डवस्यैव त्वमेकं वक्तव्यमात्मनोरुदा । ॥ ८ ॥
 त्वं हि ज्ञास्यस्व मे परमसूयया । तत्र त्वां शङ्केत्यहं प्रवृत्तमिमम् ॥ ९ ॥
 द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291. *Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is dense and appears to be a religious or philosophical treatise. The page number '291' is visible in the top left corner.*

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurriness. It appears to be a continuation of Sanskrit script from the previous page.)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पादौ धृत्यैव त्वं वदस्व मे सुत ।
श्रीकृष्ण उवाच । द्रुपद उवाच । कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादं श्रुत्वा महाभयम् ।
अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादं श्रुत्वा महाभयम् ।
अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादं श्रुत्वा महाभयम् ।

[illegible]

[illegible]

29

२७। ...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[The following text is highly degraded and illegible due to severe damage or fading.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of handwritten notes or a separate page of text.]

[Faint handwritten text in Devanagari script]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

390

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten notes)

1261

[illegible]



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint, illegible handwritten text at the bottom of the page]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

... ..

[Faint handwritten text across the bottom of the page]

.....

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The image shows a highly degraded scan of a document page with multiple lines of handwritten text in Devanagari script. The text is extremely faint and blurry, making it largely illegible. It appears to be a historical manuscript or record.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger entry.

[The following section contains several lines of handwritten Devanagari script, which appears to be bleed-through from another page.]

...
...
...
...
...
...

白贝

[illegible]

[illegible]

१॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Pali script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

卐

4

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Abstract

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि । त्वं द्रुपदमुखा विशाखानुशङ्गा । वीर्यवान् दुर्योधनस्तथा । मेघदूतः शकुनिश्च ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

78754 JK1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३२१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

白页



1. *Handwritten text in a script, possibly Urdu or Persian, on a lined page. The text is written in a cursive style and appears to be a list or a series of notes. The page is numbered '1' in the top left corner.*

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ।
 मामकाश्च पांडवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षिणा ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः । मामकाश्च पांडवाश्चैव
 किमकुर्वत सन्महर्षिणा ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of Sanskrit or Hindi script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

45. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

1/2 ES



31

[illegible]

379

100-443887-10

203

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible][illegible][illegible]

130

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(67) ॥ ५॥ ॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥ २ ॥
 पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥ ४ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥ ५ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥ ६ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥ ७ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥ ८ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥ ९ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजास्तथा ॥ १० ॥

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[Faint handwritten text at the bottom of the page]


$$= \sqrt{2}$$

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

देवता गणेश देवी गणेश चरणारविन्दे ।
दण्डपूजाय नमः

14

1434

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

222

202

[illegible]

[illegible]

1
 2
 3

۴۲۹

[illegible]

103

[illegible]

229

[illegible]

1001

[illegible]

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side)

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

225

Л
И
Т

[illegible]

[illegible]

222

[illegible]

(b) (5) DPP, (b) (5) ACP

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

222

1257

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

22C

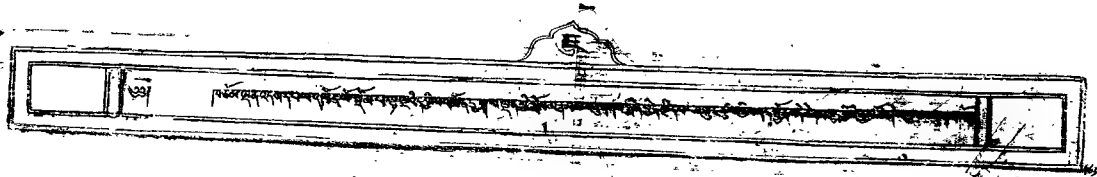
ॐ
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः

ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः



ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः

白页



[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥

[illegible]

[illegible]

674.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

921

[illegible]

6/9

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

133

31

[illegible]

[illegible]

19

[illegible]

Wp

[illegible]

126

[illegible]

[illegible]



[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

4-50123-2

55

[illegible]

५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

221

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

12

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the philosophical or religious discourse found in the other pages.]

[illegible]

32

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

15

[illegible]

५३३

७०।

॥ हे कर्मसुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 साधनं सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ १ ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ २ ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ ३ ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ ४ ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ ५ ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ ६ ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ ७ ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ ८ ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ ९ ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च
 ॥ १० ॥ सुदमा सांख्यिकं श्रुतिं विदुषां सुखस्य च

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

42 Feb 72

[illegible]

[illegible]

वे ३६

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥

पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥

पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥
पञ्चमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२३

पुनः प्रारम्भः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2014

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

अथैवमपि चतुर्थं प्रमाणं दत्तम् । अथैवमपि चतुर्थं प्रमाणं दत्तम् । अथैवमपि चतुर्थं प्रमाणं दत्तम् । अथैवमपि चतुर्थं प्रमाणं दत्तम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2004

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । यद्भक्त्या प्रसादयेत्तदा भगवान्प्रसीदति । यद्भक्त्या प्रसादयेत्तदा भगवान्प्रसीदति । यद्भक्त्या प्रसादयेत्तदा भगवान्प्रसीदति ।

५८

सुविद्यया देवदेवि चन्द्रकमले चण्डिकायै नमः ॥ १ ॥ अथ देवदेवि चन्द्रकमले चण्डिकायै नमः ॥ २ ॥
 रघुनाथं नमस्कृत्य विष्णुं नमस्कृत्य ब्रह्मं नमस्कृत्य ॥ ३ ॥ देवदेवि चन्द्रकमले चण्डिकायै नमः ॥ ४ ॥
 पुनः ॥ देवदेवि चन्द्रकमले चण्डिकायै नमः ॥ ५ ॥ देवदेवि चन्द्रकमले चण्डिकायै नमः ॥ ६ ॥
 रघुनाथं नमस्कृत्य विष्णुं नमस्कृत्य ब्रह्मं नमस्कृत्य ॥ ७ ॥ देवदेवि चन्द्रकमले चण्डिकायै नमः ॥ ८ ॥
 मन्त्रं यः श्रुत्वा पठेत् सदा ॥ ९ ॥ देवदेवि चन्द्रकमले चण्डिकायै नमः ॥ १० ॥
 सुखं यः प्राप्नुयान् सदा ॥ ११ ॥ देवदेवि चन्द्रकमले चण्डिकायै नमः ॥ १२ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

991

1532

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

李

2

120। ¹ ² ³ ⁴ ⁵ ⁶ ⁷ ⁸ ⁹ ¹⁰ ¹¹ ¹² ¹³ ¹⁴ ¹⁵ ¹⁶ ¹⁷ ¹⁸ ¹⁹ ²⁰ ²¹ ²² ²³ ²⁴ ²⁵ ²⁶ ²⁷ ²⁸ ²⁹ ³⁰ ³¹ ³² ³³ ³⁴ ³⁵ ³⁶ ³⁷ ³⁸ ³⁹ ⁴⁰ ⁴¹ ⁴² ⁴³ ⁴⁴ ⁴⁵ ⁴⁶ ⁴⁷ ⁴⁸ ⁴⁹ ⁵⁰ ⁵¹ ⁵² ⁵³ ⁵⁴ ⁵⁵ ⁵⁶ ⁵⁷ ⁵⁸ ⁵⁹ ⁶⁰ ⁶¹ ⁶² ⁶³ ⁶⁴ ⁶⁵ ⁶⁶ ⁶⁷ ⁶⁸ ⁶⁹ ⁷⁰ ⁷¹ ⁷² ⁷³ ⁷⁴ ⁷⁵ ⁷⁶ ⁷⁷ ⁷⁸ ⁷⁹ ⁸⁰ ⁸¹ ⁸² ⁸³ ⁸⁴ ⁸⁵ ⁸⁶ ⁸⁷ ⁸⁸ ⁸⁹ ⁹⁰ ⁹¹ ⁹² ⁹³ ⁹⁴ ⁹⁵ ⁹⁶ ⁹⁷ ⁹⁸ ⁹⁹ ¹⁰⁰ ¹⁰¹ ¹⁰² ¹⁰³ ¹⁰⁴ ¹⁰⁵ ¹⁰⁶ ¹⁰⁷ ¹⁰⁸ ¹⁰⁹ ¹¹⁰ ¹¹¹ ¹¹² ¹¹³ ¹¹⁴ ¹¹⁵ ¹¹⁶ ¹¹⁷ ¹¹⁸ ¹¹⁹ ¹²⁰ ¹²¹ ¹²² ¹²³ ¹²⁴ ¹²⁵ ¹²⁶ ¹²⁷ ¹²⁸ ¹²⁹ ¹³⁰ ¹³¹ ¹³² ¹³³ ¹³⁴ ¹³⁵ ¹³⁶ ¹³⁷ ¹³⁸ ¹³⁹ ¹⁴⁰ ¹⁴¹ ¹⁴² ¹⁴³ ¹⁴⁴ ¹⁴⁵ ¹⁴⁶ ¹⁴⁷ ¹⁴⁸ ¹⁴⁹ ¹⁵⁰ ¹⁵¹ ¹⁵² ¹⁵³ ¹⁵⁴ ¹⁵⁵ ¹⁵⁶ ¹⁵⁷ ¹⁵⁸ ¹⁵⁹ ¹⁶⁰ ¹⁶¹ ¹⁶² ¹⁶³ ¹⁶⁴ ¹⁶⁵ ¹⁶⁶ ¹⁶⁷ ¹⁶⁸ ¹⁶⁹ ¹⁷⁰ ¹⁷¹ ¹⁷² ¹⁷³ ¹⁷⁴ ¹⁷⁵ ¹⁷⁶ ¹⁷⁷ ¹⁷⁸ ¹⁷⁹ ¹⁸⁰ ¹⁸¹ ¹⁸² ¹⁸³ ¹⁸⁴ ¹⁸⁵ ¹⁸⁶ ¹⁸⁷ ¹⁸⁸ ¹⁸⁹ ¹⁹⁰ ¹⁹¹ ¹⁹² ¹⁹³ ¹⁹⁴ ¹⁹⁵ ¹⁹⁶ ¹⁹⁷ ¹⁹⁸ ¹⁹⁹ ²⁰⁰ ²⁰¹ ²⁰² ²⁰³ ²⁰⁴ ²⁰⁵ ²⁰⁶ ²⁰⁷ ²⁰⁸ ²⁰⁹ ²¹⁰ ²¹¹ ²¹² ²¹³ ²¹⁴ ²¹⁵ ²¹⁶ ²¹⁷ ²¹⁸ ²¹⁹ ²²⁰ ²²¹ ²²² ²²³ ²²⁴ ²²⁵ ²²⁶ ²²⁷ ²²⁸ ²²⁹ ²³⁰ ²³¹ ²³² ²³³ ²³⁴ ²³⁵ ²³⁶ ²³⁷ ²³⁸ ²³⁹ ²⁴⁰ ²⁴¹ ²⁴² ²⁴³ ²⁴⁴ ²⁴⁵ ²⁴⁶ ²⁴⁷ ²⁴⁸ ²⁴⁹ ²⁵⁰ ²⁵¹ ²⁵² ²⁵³ ²⁵⁴ ²⁵⁵ ²⁵⁶ ²⁵⁷ ²⁵⁸ ²⁵⁹ ²⁶⁰ ²⁶¹ ²⁶² ²⁶³ ²⁶⁴ ²⁶⁵ ²⁶⁶ ²⁶⁷ ²⁶⁸ ²⁶⁹ ²⁷⁰ ²⁷¹ ²⁷² ²⁷³ ²⁷⁴ ²⁷⁵ ²⁷⁶ ²⁷⁷ ²⁷⁸ ²⁷⁹ ²⁸⁰ ²⁸¹ ²⁸² ²⁸³ ²⁸⁴ ²⁸⁵ ²⁸⁶ ²⁸⁷ ²⁸⁸ ²⁸⁹ ²⁹⁰ ²⁹¹ ²⁹² ²⁹³ ²⁹⁴ ²⁹⁵ ²⁹⁶ ²⁹⁷ ²⁹⁸ ²⁹⁹ ³⁰⁰ ³⁰¹ ³⁰² ³⁰³ ³⁰⁴ ³⁰⁵ ³⁰⁶ ³⁰⁷ ³⁰⁸ ³⁰⁹ ³¹⁰ ³¹¹ ³¹² ³¹³ ³¹⁴ ³¹⁵ ³¹⁶ ³¹⁷ ³¹⁸ ³¹⁹ ³²⁰ ³²¹ ³²² ³²³ ³²⁴ ³²⁵ ³²⁶ ³²⁷ ³²⁸ ³²⁹ ³³⁰ ³³¹ ³³² ³³³ ³³⁴ ³³⁵ ³³⁶ ³³⁷ ³³⁸ ³³⁹ ³⁴⁰ ³⁴¹ ³⁴² ³⁴³ ³⁴⁴ ³⁴⁵ ³⁴⁶ ³⁴⁷ ³⁴⁸ ³⁴⁹ ³⁵⁰ ³⁵¹ ³⁵² ³⁵³ ³⁵⁴ ³⁵⁵ ³⁵⁶ ³⁵⁷ ³⁵⁸ ³⁵⁹ ³⁶⁰ ³⁶¹ ³⁶² ³⁶³ ³⁶⁴ ³⁶⁵ ³⁶⁶ ³⁶⁷ ³⁶⁸ ³⁶⁹ ³⁷⁰ ³⁷¹ ³⁷² ³⁷³ ³⁷⁴ ³⁷⁵ ³⁷⁶ ³⁷⁷ ³⁷⁸ ³⁷⁹ ³⁸⁰ ³⁸¹ ³⁸² ³⁸³ ³⁸⁴ ³⁸⁵ ³⁸⁶ ³⁸⁷ ³⁸⁸ ³⁸⁹ ³⁹⁰ ³⁹¹ ³⁹² ³⁹³ ³⁹⁴ ³⁹⁵ ³⁹⁶ ³⁹⁷ ³⁹⁸ ³⁹⁹ ⁴⁰⁰ ⁴⁰¹ ⁴⁰² ⁴⁰³ ⁴⁰⁴ ⁴⁰⁵ ⁴⁰⁶ ⁴⁰⁷ ⁴⁰⁸ ⁴⁰⁹ ⁴¹⁰ ⁴¹¹ ⁴¹² ⁴¹³ ⁴¹⁴ ⁴¹⁵ ⁴¹⁶ ⁴¹⁷ ⁴¹⁸ ⁴¹⁹ ⁴²⁰ ⁴²¹ ⁴²² ⁴²³ ⁴²⁴ ⁴²⁵ ⁴²⁶ ⁴²⁷ ⁴²⁸ ⁴²⁹ ⁴³⁰ ⁴³¹ ⁴³² ⁴³³ ⁴³⁴ ⁴³⁵ ⁴³⁶ ⁴³⁷ ⁴³⁸ ⁴³⁹ ⁴⁴⁰ ⁴⁴¹ ⁴⁴² ⁴⁴³ ⁴⁴⁴ ⁴⁴⁵ ⁴⁴⁶ ⁴⁴⁷ ⁴⁴⁸ ⁴⁴⁹ ⁴⁵⁰ ⁴⁵¹ ⁴⁵² ⁴⁵³ ⁴⁵⁴ ⁴⁵⁵ ⁴⁵⁶ ⁴⁵⁷ ⁴⁵⁸ ⁴⁵⁹ ⁴⁶⁰ ⁴⁶¹ ⁴⁶² ⁴⁶³ ⁴⁶⁴ ⁴⁶⁵ ⁴⁶⁶ <

10

[illegible]

4

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
मया मल्लिकार्जुन । समीपस्थ इति तस्मात्तु मे वन्द्यवान् ।
अहो महारथी त्वं । अहो महाबाहो । अहो महाकाय । अहो महाबल ।
अहो महाशूर । अहो महावीर । अहो महादूत । अहो महासेना ।
अहो महापराक्रम । अहो महाधैर्य । अहो महाज्ञान । अहो महाभक्ति ।
अहो महायोग । अहो महासत्त्व । अहो महागुण । अहो महापद ।
अहो महापद्म । अहो महापद्मिनी । अहो महापद्मिणी । अहो महापद्मिणी ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Figure 1

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

4

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

U.S. DEPARTMENT OF JUSTICE

[illegible]

[illegible]

[illegible]

W

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५. लघुदर्शकः ।

५७४५०६१८

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

TABLE 1. Summary of the 1997-1998 season

[illegible]

1-406

[illegible]

13

[illegible]

[illegible]

671

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

231

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Y 6 E>



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, consisting of approximately 10 lines. The text is densely written and appears to be a historical or religious document. The script is in a traditional style, with some characters being more stylized than others. The text is written in black ink on a light-colored background.

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीवः ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाशान्धनुस्तथा हस्ते
 प्रविष्टाः स्युः संजय ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ वीराणां त्विह महाबाहो
 वर्तमानं शरीरमात्रम् ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ इति मे सुनिवेद्य
 सर्वं धर्ममुपासीत ॥ ५ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ ७ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ ९ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ १० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ ११ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ १२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ १३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ १४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ १५ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ १६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ १७ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ १८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ १९ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ २० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ २१ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ २२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ २३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ २४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ २५ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ २६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ २७ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ २८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ यत्किंचित्करिष्यामि
 कृतं विप्र ॥ २९ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो महामना
 पांडव ॥ ३० ॥

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

[The following text appears to be bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

29

[illegible]

[illegible]

85

[illegible]

[illegible]

७८

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अथैषः श्रेष्ठिर्वासी यथाशक्त्यमुपस्थितवान् । तदा कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथैषः
विभीषण इति नाम्ना । अथैषः विभीषण इति नाम्ना । अथैषः विभीषण इति नाम्ना ।
अथैषः विभीषण इति नाम्ना । अथैषः विभीषण इति नाम्ना । अथैषः विभीषण इति नाम्ना ।
अथैषः विभीषण इति नाम्ना । अथैषः विभीषण इति नाम्ना । अथैषः विभीषण इति नाम्ना ।
अथैषः विभीषण इति नाम्ना । अथैषः विभीषण इति नाम्ना । अथैषः विभीषण इति नाम्ना ।

[illegible]

[illegible]

70
 14
 74

101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200

[illegible]

31

[illegible]

709

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५३।

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

५६ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

93

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥

अथर्ववेदः

44


 NATIONAL BUREAU OF STANDARDS
 U.S. DEPARTMENT OF COMMERCE

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise.]

324

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...



2375-5-11

संयोजकता

SECRET

1968

2000

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ श्रीसुब्रह्मयज्ञोक्तम् ॥ सुब्रह्मयज्ञोक्तिर्यथा ॥ यत्किञ्चिदपि ब्रह्मविद्यायां युक्तम् ॥ तत्सर्वं ब्रह्मविद्यायां युक्तम् ॥ यत्किञ्चिदपि ब्रह्मविद्यायां युक्तम् ॥ तत्सर्वं ब्रह्मविद्यायां युक्तम् ॥

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

1992

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the philosophical or religious discourse found in the other pages.]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in the left margin, likely a reference or commentary.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of several lines of prose.

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

यह पुनः एकमात्र सुनिश्चित मूल्य प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गणपतये नमः

ਅੰਤਰਿਕਸ਼ਿਕਾਤਮਕ ਸੰਬੰਧਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਲਈ

ཡུལ་འདི་ལ་མཁའ་ལྷ་མོ་འཕགས་པའི་ལྷ་མོ་འཕགས་པའི་ལྷ་མོ་

॥ अथ शिवस्य मन्त्रः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

١٠٩

॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

॥ उद्देश्यः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

11

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible][illegible]

॥ अथ श्रुत्वा विदुः प्रत्यक्षम् ॥

ॐ

五、

白皮



129

॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके अष्टादशोऽध्यायः ॥

100

100

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

172



100

॥ यथा ह्येवमुक्तं ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥
 सुमते । प्रियं यथाशक्तं प्रियं यथाशक्तं ॥ प्रियं यथाशक्तं प्रियं यथाशक्तं ॥ प्रियं यथाशक्तं प्रियं यथाशक्तं ॥
 यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥
 यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥
 यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥ यदेवमुक्तं श्रुत्वा तदा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a single line or two of handwritten script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

23

[illegible]

179

कौटिल्यः ॥ अथ राजसूयं चतुर्विधं ब्रूमः । प्रथमं यज्ञं यजमानः पश्चात्पुत्रान् पुत्राणां वरदानं । तद्वत्पुत्रो जन्मते नृपावर्गं पुत्राणां वरदानं । अथ द्वितीयं यज्ञं यजमानः पश्चात्पुत्रान् पुत्राणां वरदानं । तद्वत्पुत्रो जन्मते नृपावर्गं पुत्राणां वरदानं । अथ तृतीयं यज्ञं यजमानः पश्चात्पुत्रान् पुत्राणां वरदानं । तद्वत्पुत्रो जन्मते नृपावर्गं पुत्राणां वरदानं । अथ चतुर्थं यज्ञं यजमानः पश्चात्पुत्रान् पुत्राणां वरदानं । तद्वत्पुत्रो जन्मते नृपावर्गं पुत्राणां वरदानं ।

[illegible]

[illegible]

12

[illegible]

[illegible]

बहुधा ॥ २९६.



221

॥ श्री हनुमन् महादेव नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री लक्ष्मीनारायणे नमः ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री रामाय नमः ॥ श्री शिवाय नमः ॥





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पादौघैः पश्येति धूमस्तपसां विभक्तानि योधमाणां । कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः काँक्षन्तः शत्रून् ।



[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ।

[illegible]

[illegible]

15

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

पवि देयद गलपयसासद सुयक्षिणं व वे हवपसपविदद पठनपी कुम प्रस व कुद पदं कु मेरी दद पठनपी प्रीरि व कु दुर प्रेद म कु द म ऊ व ठि द पठः उद यो द स सु हेन स प स व श्री र व रि द सु स
सु सु के न स प कु र द व म प कु द प रि प्रे व र ठि म रि न द द या र द ठि द म मे व द र द स द प व के सु ग सु म र्दे ग सु व प व व न ठि या प्र म न ठि स हे हे द र प्रि य सुः र द स स पु म य ग पु र प सु के न स हे हे न
म ऊ व प रि य व प रि वे र ठि न ठ द द सु रि न य के ह तु तु द उ द यो व रि व व प्रे स प र ठि द य क प सु म द र द क य क प व स न य स प कु र प स र हे न स
प्रे द न न य रि म न यो द र ग य के व सु म प स द स म ऊ व म द म र मे र सु म व स म क य क प वे र न म प्रे द सु कु व द र मे री कु म य व कु स प रि म न ठि क प्र य सु रि य प्रे द य व सु र द य न र द सु रि उ म म
द द प्र क वि द। सु य गी य न स प रि म न म य स ठ व। प्र म कु ह न गि स कु स प र व य। वे र सु प्रे स य प स पु स म म ठ द क पु न स प रि। दे र प र क य ठि म प्र व र स म हे हे य न यो
द म म न य न ठि न प्र म न ठि स प्रि म यो क य स य व प्रि म म य द स ग पु र प रि प्रे द य क व ह द व वि य स न स प रि प्र न गी स ग र व म सु म स मी द। र व स प स प्रे म स य सु रि न ह म प ठ व तु व

पवि देयद गलपयसासद सुयक्षिणं व वे हवपसपविदद पठनपी कुम प्रस व कुद पदं कु मेरी दद पठनपी प्रीरि व कु दुर प्रेद म कु द म ऊ व ठि द पठः उद यो द स सु हेन स प स व श्री र व रि द सु स

[illegible]

199

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

[illegible]

29

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

823
824

✓ EL



(Faint handwritten Devanagari script at the bottom)

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

10

[illegible]

53

॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ १ ॥
 ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ २ ॥
 ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ ३ ॥
 ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ ४ ॥
 ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ ५ ॥
 ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ ६ ॥
 ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ ७ ॥
 ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ ८ ॥
 ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ ९ ॥
 ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवन्महाशयः ॥ १० ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

45

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

॥ अथ देवतासंज्ञा ॥

सुखदामोदरः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥ शिवोऽयमग्रेष्ठस्तु त्रिमूर्तिर्योगेश्वरः ।
॥ इत्येवमुक्त्वा श्रीशिवः प्रसीदन्निष्ठायाः परमात्मने नमः ॥

3-11-2014

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

॥ जगत्सर्वं भूतं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं त्रैलोक्यं ॥

अथारुणः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये ऋषिर्भगवानुवाच ॥
 यत्किञ्चित्करिष्ये तद्वैशम्भतः प्रहृत्य हस्तैश्च ॥ यत्किञ्चित्करिष्ये तद्वैशम्भतः प्रहृत्य हस्तैश्च ॥
 यत्किञ्चित्करिष्ये तद्वैशम्भतः प्रहृत्य हस्तैश्च ॥ यत्किञ्चित्करिष्ये तद्वैशम्भतः प्रहृत्य हस्तैश्च ॥

[illegible]

[illegible]

7

[illegible]

▲

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۰۰
 ۱۰۱
 ۱۰۲
 ۱۰۳

[illegible]

Abstract

[illegible]

25

19

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۰۰
 ۱۰۱
 ۱۰۲
 ۱۰۳
 ۱۰۴
 ۱۰۵
 ۱۰۶
 ۱۰۷
 ۱۰۸
 ۱۰۹
 ۱۱۰
 ۱۱۱
 ۱۱۲
 ۱۱۳
 ۱۱۴
 ۱۱۵
 ۱۱۶
 ۱۱۷
 ۱۱۸
 ۱۱۹
 ۱۲۰
 ۱۲۱
 ۱۲۲
 ۱۲۳
 ۱۲۴
 ۱۲۵
 ۱۲۶
 ۱۲۷
 ۱۲۸
 ۱۲۹
 ۱۳۰
 ۱۳۱
 ۱۳۲
 ۱۳۳
 ۱۳۴
 ۱۳۵
 ۱۳۶
 ۱۳۷
 ۱۳۸
 ۱۳۹
 ۱۴۰
 ۱۴۱
 ۱۴۲
 ۱۴۳
 ۱۴۴
 ۱۴۵
 ۱۴۶
 ۱۴۷
 ۱۴۸
 ۱۴۹
 ۱۵۰
 ۱۵۱
 ۱۵۲
 ۱۵۳
 ۱۵۴
 ۱۵۵
 ۱۵۶
 ۱۵۷
 ۱۵۸
 ۱۵۹
 ۱۶۰
 ۱۶۱
 ۱۶۲
 ۱۶۳
 ۱۶۴
 ۱۶۵
 ۱۶۶
 ۱۶۷
 ۱۶۸
 ۱۶۹
 ۱۷۰
 ۱۷۱
 ۱۷۲
 ۱۷۳
 ۱۷۴
 ۱۷۵
 ۱۷۶
 ۱۷۷
 ۱۷۸
 ۱۷۹
 ۱۸۰
 ۱۸۱
 ۱۸۲
 ۱۸۳
 ۱۸۴
 ۱۸۵
 ۱۸۶
 ۱۸۷
 ۱۸۸
 ۱۸۹
 ۱۹۰
 ۱۹۱
 ۱۹۲
 ۱۹۳
 ۱۹۴
 ۱۹۵
 ۱۹۶
 ۱۹۷
 ۱۹۸
 ۱۹۹
 ۲۰۰

[illegible]

[illegible]

● 2008年10月1日

[illegible]

[illegible]



4



1994

—



10

475

10

[illegible]

५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Д. В. Д. В. Д. В.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७८
१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

五、《说文解字》

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]



[illegible]

1997

१७१
 ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००
 १०१ १०२ १०३ १०४ १०५ १०६ १०७ १०८ १०९ ११० १११ ११२ ११३ ११४ ११५ ११६ ११७ ११८ ११९ १२० १२१ १२२ १२३ १२४ १२५ १२६ १२७ १२८ १२९ १३० १३१ १३२ १३३ १३४ १३५ १३६ १३७ १३८ १३९ १४० १४१ १४२ १४३ १४४ १४५ १४६ १४७ १४८ १४९ १५० १५१ १५२ १५३ १५४ १५५ १५६ १५७ १५८ १५९ १६० १६१ १६२ १६३ १६४ १६५ १६६ १६७ १६८ १६९ १७० १७१ १७२ १७३ १७४ १७५ १७६ १७७ १७८ १७९ १८० १८१ १८२ १८३ १८४ १८५ १८६ १८७ १८८ १८९ १९० १९१ १९२ १९३ १९४ १९५ १९६ १९७ १९८ १९९ २००

[illegible]

१०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

(The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.)

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of Sanskrit or Pali script.]

[illegible]

[illegible]

3333

सुश्रुतः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ एतच्छ्रुत्वा भगवत्पुत्रः प्रहसन्निवृत्तः ॥
सुखं भवति भगवत्पुत्रः प्रहसन्निवृत्तः ॥ सुखं भवति भगवत्पुत्रः प्रहसन्निवृत्तः ॥
सुखं भवति भगवत्पुत्रः प्रहसन्निवृत्तः ॥ सुखं भवति भगवत्पुत्रः प्रहसन्निवृत्तः ॥
सुखं भवति भगवत्पुत्रः प्रहसन्निवृत्तः ॥ सुखं भवति भगवत्पुत्रः प्रहसन्निवृत्तः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely a Tibetan Buddhist text. The text is written in a cursive script, possibly Thangka or similar, and is arranged in several horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some marginalia or smaller inscriptions visible along the left edge.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

9

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

10

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be several lines of handwritten script.]

W 1

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये ॥
 १ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रिय
 २ ॥ त्वया प्रोक्तं श्रुत्वा मया धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 ३ ॥ आहूयः संजय ॥ संपश्यन् बभूवुषः पश्यतः महाबल-
 ४ ॥ वीरान् ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र तदा
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुताम्
 ममका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीम
 निमित्तमायुः प्रस्थितोऽहं धीमताम् ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

93

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

64